कृपया प्रकाशनार्थ **7 जनवरी 2014**

दो दिन में पैट्रोल की दो दफे मूल्य वृद्धि

सरकार का भेजा ठिकानें पर नहीं हैं - राम नाईक

मुंबई, मंगलवार : ''महंगाई के दुष्ट चक्र को गति देनेवाला संवेदनशील पैट्रोल और डिजल के दाम दो दिन में दो दफे बढाएं गये हैं. लोकमान्य तिलक की भाषा में बोलना हैं तो कांग्रेस सरकार का भेजा ठिकानें पर नहीं हैं. 3 जनवरी को पैट्रोल का दाम प्रतिलिटर रु. 1.11 तो डिजल रु. 0.71 से बढाया गया और दो दिन में ही याने 5 जनवरी को पैट्रोल रु. 1.64 और डिजल रु. 1.09 से बढाया गया. यह मूल्य वृद्धि दो दिन में क्यों और कैसे की गयी इसकी जानकारी पैट्रोलियम मंत्री श्री. विरप्पा मोईली ने देनी चाहिए'', ऐसी मांग भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व पैट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने आज मुंबई में पत्रकार परिषद में की..

दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों की विधानसभा चुनाव में करारी हार होने के बाद प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 3 जनवरी 2014 को पत्रकार संमेलन में माना था कि हार का प्रमुख कारण बढ़ती महंगाई हैं. किंतु कांग्रेस ने इससे अब भी कोई सबक नहीं सिखा हैं. वाजपेयी सरकार के कार्यकाल में याने मई 2004 में जीवनावश्यक वस्तुओं के मुंबई के मूल्यों का एक तुलनात्मक पत्रक श्री. राम नाईक ने प्रकाशित किया हैं. उसमें युपीए-1 के कार्यकाल में याने अप्रैल 2009 और युपीए-2 के कार्यकाल के याने 5 जनवरी 2014 के दाम तथा दामों की तुलनात्मक वृद्धि दी हैं. पत्रक के अनुसार पैट्रोल 2004 में प्रतिलिटर रु. 33.15 था तो अब रु. 81.31 (145 % वृद्धि), डिजल 2004 में रु. 22.50 तो अब रु. 61.51 (178 % वृद्धि) तो मिट्टी का तेल 2004 में रु. 18 से अब रु. 70 (289 % वृद्धि) हुआ हैं. रसोई का एलपीजी सिलंडर में रु. 244 से विना अनुदान रु. 1,264.50 (418 % वृद्धि) हुई हैं. पैट्रोलियम पदार्थों के मूल्य वृद्धि के कारण महंगाई का दुष्ट चक्र अधिक गतिमान होता हैं ऐसा श्री. राम नाईक ने कहा.

..2..

इथेनॉल जैसे पर्यायी इंधन का उपयोग न करने के कारण और पैट्रोल, डिजल की अधिक खपत के कारण कच्चे तेल की आयात वाजपेयी के कार्यकाल में कुल आवश्यकता के 70 % थी, जो अब 80 % हुई हैं. इसके अतिरिक्त डालर-रुपैया का विनिमय दर 2004 में रु. 45.10 था वह अब रु. 62.17 याने 38 % बढ़ा हैं. इसलिए कच्चे तेल की बढ़ी हुई आयात के साथ ही साथ रुपये के अवमूल्यन के कारण 38 % जादा मूल्य देना पड़ता हैं ऐसा श्री. राम नाईक ने बताया.

खाद्य पदार्थों में से गेहू का दर 2004 में प्रतिकिलो रु. 9 से अब रु. 28 (211 % वृद्धि), चावल रु. 10 से रु. 30 (200 % वृद्धि), गुड़ रु. 14 से रु. 45 (221 % वृद्धि) हुआ हैं. सब्जीयों में इससे अधिक वृद्धि होकर प्याज रु. 6 से रु. 30 (400 % वृद्धि) तो आलू रु. 8 से रु. 30 (275 % वृद्धि) हुआ हैं. दूध रु. 14 लिटर से रु. 56 (300 % वृद्धि) हुआ हैं, तो महत्त्वपूर्ण दलहन में तुर दाल रु. 30 से रु. 80 (167 % वृद्धि), मूंग दाल रु. 24 से रु. 108 (350 % वृद्धि) तो चना दाल रु. 25 से रु. 58 (132 % वृद्धि) हुई हैं.

''वित्तिय प्रगती को 'सकल घरेलू उत्पाद' दर (जीडीपी) से आंका जाता हैं. केंद्र सरकार के सांख्यिकी संगठन ने 2012-2013 का जीडीपी 5 % रहेगा ऐसी घोषणा की हैं. यह जीडीपी दर गत 10 वर्षों में सबसे कम हैं, तथा वित्त व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं. इसके अलावा खुदरा मुद्रास्फीति की दर नवंबर 2013 में अभूतपूर्व तेजी से याने 11.24 % बढ़ी हैं. महंगाई के विरोध में तथा केंद्र और राज्य सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनजागृति अभियान स्थानिय स्तर पर चलता रहेगा'' ऐसा भी श्री. राम नाईक ने अंत में बताया.

(कार्यालय मंत्री)

संलग्न : पत्रक.

5 जनवरी 2014

भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

जीवनावश्यक वस्तुओं के मुंबई में बढ़ते दाम

(संकलक : श्री.राम नाईक, श्री.गिरीधर साळुंके)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	पहले कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) अप्रैल 2009	दूसरे कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) 5 जनवरी 2014	2004 की तुलना में वृध्दि (प्रतिशत) %
गेंहू	9	20	28	211%
चावल	10	22	30	200%
शक्कर	14	23	38	171%
चाय पावडर	80	190	300	275%
तेल	40(प्रति लिटर)	70(प्रति लिटर)	88(प्रति लिटर)	120%
डालडा	40	60	100	150%
तूर दाल	30	100	80	167%
मूंग दाल	24	54	108	350%
मसूर दाल	22	60	78	255%
चना दाल	25	36	58	132%
गुड़	14	32	45	221%
बेसन	20	48	64	220%
आलू	8	14	30	275%
प्याज	6	16	30	400%
टमाटर	9	16	20	122%
दूध	14 (प्रति लिटर)	28(प्रति लिटर)	56(प्रति लिटर)	300%
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	25 (प्रति लिटर)	70(प्रति लिटर)	289%
रसोई गैस	244 (प्रति सिलेंडर)	312(प्रतिसिलेंडर)	444.50 (प्रतिसिलेंडर) * 1264.50 (प्रतिसिलेंडर) **विनाअनुदान**	82% 418%
पेट्रौल	33.15 (प्रति लिटर)	44.60(प्रति लिटर)	81.31(प्रति लिटर)	145%
डिजल	22.50 (प्रति लिटर)	34.50(प्रति लिटर)	62.60 (प्रति लिटर)	178%
सीएनजी	19.71(प्रति किलो)	24.65(प्रति किलो)	38.95(प्रति किलो)	98%
डॉलर $1	**रु. 45.10**	रु. 50.05	**रु. 62.17**	**38%**

विशेष :

1. 2012-2013 का 'सकल घरेलु उत्पाद' (जीडीपी) 5 प्रतिशत रहेगा ऐसी घोषणा केंद्र सरकार के सांख्यिकी संगठन ने की है, यह जीडीपी दर गत 10 वर्षो में सबसे कम है और वित्तव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं. खुदरा मुद्रास्फीति की दर नवंबर 2013 में अभूतपूर्व तेजी से याने 11.24 प्रतिशत बढ़ी है.

2.इस के अतिरिक्त डालर रुपैया का विनिमय दर 2004 में रु. 45.10 था, वह अब रु. 62.17 याने 38 प्रतिशत बढ़ा है. इस का मतलब है कि आयात में हमें 38 प्रतिशत अधिक किमत देनी पड़ रही हैं. इस समय हमारी आयात निर्यात से अधिक होने के कारण रुपैया का अवमूल्यन से भारी नुकसान हो रहा हैं.

3. कच्चे तैल (क्रूड ऑयल) की आयात 70 प्रति शत से बढ कर 80 प्रति शत हुई है, साथ ही साथ आंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चा तैल का मूल्य भी बढ़ा है, परिणामत: महंगाई वृद्धि का दुष्ट चक्र ज्यादा गतिमान हुआ है. दिसंबर 2013 में चार राज्यों के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की हुई करारी हार महंगाई के कारण हुई है इस बात का स्वीकार प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 3 जनवरी 2014 को पत्रकार संमेलन में किया हैं. उसी दिन पर पैट्रोल और डिजल के दाम प्रति लिटर क्रमश: रु. 1.11 और रु. 0.71 बढाए गए तो फिर दो दिन के बाद याने 5 जनवरी को क्रमश: रु. 1.64 और रु. 1.09 बढाए है. सरकार का भेजा ठिकाने पर नहीं है, इसका यह सबूत है.